भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1741

गुरूवार, 3 अगस्त, 2023/12 श्रावण, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

नई पर्यटन नीति का शुभारंभ

1741 डा. अनिल सुखदेवराव बोंडे:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा नई पर्यटन नीति प्रारंभ की गई है/प्रारंभ करने का विचार है और यदि हां, तो उक्त नीति की मुख्य विशेषताओं सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) ऐसी नीति के कब तक लागू होने की संभावना है;

(ग) क्या पर्यटन क्षेत्र से जुड़े अधिकांश व्यक्ति अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार पर्याप्त प्रशिक्षण प्राप्त नहीं हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए गए/किए जा रहे उपाय कौन-कौन से हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): जी हाँ। पर्यटन मंत्रालय ने नई राष्ट्रीय पर्यटन नीति का मसौदा तैयार किया है। इस मसौदा नीति के प्रमुख कार्यनीतिक उद्देश्य इस प्रकार हैं:-

i. पर्यटन आगमन, आवास और व्यय में वृद्धि द्वारा तथा भारत को वर्ष पर्यंत यात्रा अनुकूल पर्यटक गंतव्य बनाकर भारतीय अर्थव्यवस्था में पर्यटन के योगदान को बढ़ाना,

ii. पर्यटन क्षेत्र में रोजगार और उद्यमिता के अवसर सृजित करना तथा कुशल श्रमशक्ति की आपूर्ति सुनिश्चित करना,

iii. पर्यटन क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना और निजी क्षेत्र से निवेश को आकर्षित करना,

iv. देश के सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और उनमें वृद्धि,

v. देश में पर्यटन का स्थायी, जिम्मेदार तथा समावेशी विकास सुनिश्चित करना।

(ख): राष्ट्रीय पर्यटन नीति का मसौदा अभी परामर्श के चरण में है। यह नीति सभी आवश्यक अनुमोदन प्राप्त होने और इसे अधिसूचित किए जाने के बाद लागू होगी।

(ग): पर्यटन मंत्रालय ने प्रत्येक स्तर पर पर्यटन सेवाप्रदाताओं को शिक्षा, प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करने के लिए ''सेवाप्रदाताओं हेतु क्षमता निर्माण'' (सीबीएसपी) योजना लागू की है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक स्तर पर श्रमशक्ति का प्रशिक्षण तथा उन्नयन करना है। सीबीएसपी योजना के तहत देश भर में अवस्थित पैनलबद्ध सरकारी तथा निजी संस्थानों के माध्यम से पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में विभिन्न अल्पकालिक कौशल विकास पाठ्यक्रम/कार्यक्रम चलाए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त पर्यटन मंत्रालय के अधीनस्थ स्वायत्तशासी निकाय राष्ट्रीय होटल प्रबंध एवं केटरिंग प्रौद्योगिकी परिषद (एनसीएचएमसीटी) को अपने संबद्ध संस्थानों के माध्यम से आतिथ्य प्रबंधन शिक्षा के विकास का कार्य सौंपा गया है। एनसीएचएमसीटी 21 केन्द्रीय आईएचएम, 31 राजकीय आईएचएम, 12 एफसीआई और 26 निजी संस्थानों के माध्यम से विभिन्न पाठ्यक्रम चलाता है।

इसके अतिरिक्त भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम) ग्वालियर, भुवनेश्वर, नोएडा, नेल्लौर और गोवा के अपने केन्द्रों के माध्यम से पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन में पूर्णकालिक स्नातकोत्तर तथा स्नातक पाठ्यक्रमों की पेशकश करता है। इन केन्द्रों द्वारा अल्पकालिक कौशल विकास कार्यक्रम/पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं।

(घ): पर्यटन का संवर्धन और विकास मुख्य रूप से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों की जिम्मेदारी है। तथापि पर्यटन मंत्रालय ''घरेलू संवर्धन एवं प्रचार (डीपीपीएच)'' और ''विदेशों में संवर्धन और प्रचार (ओपीपी)'' नामक अपनी योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न पहलों के जरिए देश में समग्र रूप से पर्यटन का संवर्धन करता है। यह मंत्रालय भारत के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों के संवर्धन हेतु ''अतुल्य भारत'' ब्रांड लाइन के तहत घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में नियमित रूप से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन तथा आउटडोर मीडिया अभियान जारी करने के साथ-साथ अपनी आधिकारिक वेबसाइट तथा सोशल मीडिया के माध्यम से भी संवर्धन कार्य करता है।

इसके अतिरिक्त मंत्रालय के घरेलू पर्यटन कार्यालय पर्यटन गंतव्यों को हाइलाइट करने और घरेलू पर्यटन के संवर्धन के लिए अनेक संवर्धनात्मक समारोहों का आयोजन करते हैं, व्यापार मेलों तथा प्रदर्शनियों में भाग लेते हैं। पर्यटन मंत्रालय ने देखो अपना देश पहल के तहत घरेलू पर्यटन के संवर्धन हेतु भी प्रयास किए हैं।

पर्यटन मंत्रालय ने वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध पर्यटक गंतव्यों के रूप में देश के विभिन्न क्षेत्रों के संवर्धन के लिए पूरे भारत के सभी आयोजनों, त्यौहारों और लाइव दर्शनों के प्रदर्शन के लक्ष्य से उत्सव पोर्टल नामक डिजिटल पहल की शुरूआत की है।

पर्यटन मंत्रालय ने विभिन्न निश पर्यटन उत्पादों के संवर्धन के लिए निम्नलिखित राष्ट्रीय कार्यनीतियाँ तैयार की हैं:-

(i) एडवेंचर पर्यटन सम्बन्धी कार्यनीति
(ii) चिकित्सा एवं निरोगता पर्यटन सम्बन्धी राष्ट्रीय कार्यनीति और रोडमैप
(iii) एमआईसीई उद्योग हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति और रोडमैप
(iv) इको पर्यटन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति
(v) स्थायी पर्यटन हेतु राष्ट्रीय बोर्ड
(vi) भारत में ग्रामीण पर्यटन के विकास हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति और रोडमैप- आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक पहल।

****